तापमान

अधिकतम 11.0 डिग्री
न्यूनतम 2.8 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, सोमवार, 22 जनवरी 2024

15 श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से जुड़ी हर देशवासी की आस्था : सोनिया

16 प्राण प्रतिष्ठा समारोह की खुशी में करवाया हवन

खबर संक्षेप

कार में शराब तस्करी का आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत। शहर थाना पुलिस ने शराब तस्करी के आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी कार में शराब तस्करी कर रहा था। आरोपी की पहचान लाल दरवाजा निवासी गौरव के रूप में हुई है। आरोपी को पुलिस ने कालूपुर के पास से काबू किया। आरोपी कार चालक पुलिस को देख कर दूसरी तरफ जाने लगा तो उसे काबू कर लिया। कार से 14 बोतल शराब बरामद की गई।

खेत में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

खरखौदा। झरोठ गांव के पास खांडा मार्ग पर एक खेत में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला है। रविवार को जब ग्रामीण अपने खेतों की तरफ गए तो उन्हें अज्ञात व्यक्ति का शव दिखा। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सोनीपत भिजवा दिया है। मृत व्यक्ति के शरीर पर किसी प्रकार के चोट के निशान नहीं हैं।

दुकानदार को गोली लगने के मामले में आरोपी काबू

सोनीपत। त्रिभुवन ने पुलिस को बताया कि वह मोबाइल मार्केट में रेहड़ी पर गोलगप्पे बेचता हैं। वह 16 जनवरी को साथ लगती दुकान का मालिक मणिक बाहर आया तो उनकी रिवाल्वर जमीन पर गिर गई थी। वह उठा कर देने लगे तो गोली चल गई थी और उनके पेट में लगी थी। त्रिभुवन को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार करने के बाद जमानत दे दी।

समाज कल्याण संगठन ने रोपे 18 पौधे

गोहाना। समाज कल्याण संगठन द्वारा रविवार को शहर में शहीद मदनलाल धींगड़ा पार्क में पौधरोपण किया गया। पार्क में पौधारोपण संगठन द्वारा पिछले करीब डेढ़ दशक से चलाए जा रहे गोहाना को ग्रीन सिटी बनाने के अभियान के तहत किया गया।

इंग्लिश टीचर्स के लिए 2 दिवसीय वर्कशाप 27 से

गोहाना। लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 321-ए 2 हरियाणा में पहली बार किसी स्कूल में इंग्लिश टीचर्स के लिए दो दिन की ट्रेनिंग वर्कशॉप आयोजित करने जा रहा है। यह वर्कशॉप बाल भारती विद्यापीठ में 27 और 28 जनवरी को संचालित होगी। इस दो दिवसीय वर्कशॉप को लायंस क्वेस्ट-एक प्रयास नाम दिया गया है। इस वर्कशॉप की मेजबानी बाल भारती विद्यापीठ के सहयोग से लायंस क्लब-गोहाना करेगा।

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर उत्साह

राममय हुआ सोनीपत, आज घर-घर मनाएंगे दीपावली

- सज गए मंदिर, हर मंदिर में होगा कार्यक्रम
- चौक-चौराहों पर भी लगाए गए श्रीराम नाम के झंडे
- रामलला के स्वागत में जिलेभर में होगा कार्यक्रम
- लाखों दीये जलाए जाएंगे शहर में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

सोनीपत। सजाया गया खाटू श्याम मंदिर।

भगवान श्री राम का जन्मभूमि अयोध्या पर प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम पूरे देश की भांति जिले में भी हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। दीपावली की भांति कार्यक्रम मनाने के लिये पूरा जिला तैयार है।

जिले भर में लाखों दीये जलाए जाएंगें। जगह-जगह कार्यक्रमों का आयोजन होगा। रविवार को कार्यक्रमों को अंतिम रूप दे दिया गया। हर जगह सिर्फ राम नाम ही सुनाई दे रहा है। सोमवार को जिले के लगभग हर मंदिर में कार्यक्रम का आयोजन होगा, जिसके लिये मंदिरों को भव्य रूप से सजाया गया है। बता दें कि अयोध्या में रामलला की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन दोपहर 12 बजे से प्रारंभ होगा। इसी के साथ जिले भर के मंदिरों में भी शंखनाद के साथ हवन-पूजन व आरती का दौर शुरू हो जाएगा। जिसको लेकर सप्ताह भर से तैयारियां चल रही थी। इस दौरान कहीं श्री सुंदरकांड का पाठ किया जाएगा तो कहीं आरती व कीर्तन होंगे। वहीं कई स्थानों पर मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इसके उपरांत भंडारों का दौर चलेगा।

मंदिरों में लगी रौनक

मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा को लेकर मंदिरों में एक सप्ताह से चल रहे सफाई अभियान के बाद आकर्षक तरीके से सजाया गया है। रात में सभी मंदिरों की शोभा देखते ही बन रही थी। शहर के सभी चौक-चौराहे भी राममय नजर आने लगे हैं। हर जगर भगवा रंग में भगवान श्रीराम के झंडे नजर आ रहे हैं। कामी रोड स्थित रामलीला मैदान में पांच संस्थाएं मिलकर श्री सुंदरकांड पाठ पंच कुंडीय यज्ञ करेंगी। वहीं भगवान राम के स्वागत में विभिन्न स्थानों पर भव्य आतिशबाजी की जाएगी।

बड़े पर्दे पर होगा लाइव प्रसारण

अयोध्या में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के आयोजन का शहर में विभिन्न स्थानों पर लाइव प्रसारण दिखाया जाएगा। इसके लिए शहर की नई अनाज मंडी में बड़ी एलईडी लगाई गई है। इसके अलावा भी कई मंदिरों में लाइव प्रसारण दिखाने की व्यवस्था की गई है।

ये आयोजन हैं प्रमुख

- कामी रोड स्थित रामलीला मैदान में पांच संस्थाएं करेंगी श्री सुंदरकांड पंच कुंडीय यज्ञ
- नरेंद्र नगर स्थित शिव मंदिर में श्रीराम कथा का आयोजन
- धोबीबाड़ा चौक पर भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा
- सोनीपत जिला बार एसोसिएशन की तरफ से सुबह हवन व भंडारे का आयोजन किया जाएगा
- सोनीपत के गांव किलोहड़द स्टेडियम से एक पौधा श्रीराम के नाम अभियान का शुभारंभ किया जाएगा
- जठेड़ी स्थित मंदिर में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी
- राई के शिव मंदिर में हवन और भंडारे का किया जाएगा आयोजन
- राई खंड के गांव दीपालपुर स्थित मंदिर में हनुमान और शनि मंदिर की नींव रखी जाएगी
- खरखौदा शहर में श्री प्राचीन भारत रामलीला कमेटी की तरफ से शोभा यात्रा निकाली जाएगी
- खरखौदा के छपड़ेश्वर धाम में हवन, पूजा पाठ और भंडारे का आयोजन किया जाएगा
- खरखौदा के जय नारायण धर्मशाला मंदिर में पूजा की जाएगी
- खरखौदा की सब्जी मंडी से मीना नरवाल की अगुवाई में शोभा यात्रा निकाली जाएगी
- खरखौदा में बच्चेश्वर मंदिर में रामकथा का आयोजन किया जाएगा
- गोहाना के शहर में शोभा यात्रा निकाली जाएगी

गणतंत्र दिवस पर कुरुक्षेत्र से सांसद नायब सैनी करेंगे ध्वजारोहण

सोनीपत। स्थानीय पुलिस लाईन में 26 जनवरी को जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया जाएगा। कुरूक्षेत्र से सांसद एवं भाजपा प्रदेशाध्यक्ष नायब सैनी मुख्य अतिथि के तौर पर ध्वजारोहण करेंगे तथा परेड की सलामी लेंगे। वहीं राज्यसभा सांसद राम चंद्र जांगड़ा गोहाना में, गन्नौर विधायक निर्मल चौधरी गन्नौर में तथा पलवल विधायक नयन पाल रावत खरखौदा में आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे तथा ध्वजारोहण कर तथा परेड की सलामी लेंगे। उपायुक्त डॉ मनोज कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि हर वर्ष की भांति इस बार भी स्थानीय पुलिस लाईन में जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ मनाया जाएगा।

फर्जी निकला जन्म प्रमाण पत्र, माता-पिता पर केस

सोनीपत। बहालगढ़ थाना में दर्ज मुकदमे में जांच अधिकारी ने नाबालिग के परिजनों से लेकर उसका जन्म प्रमाण अदालत में पेश कर दिया। जिसकी अदालत ने जांच कराई तो वह फर्जी निकला। अब कोर्ट ने नाबालिग के माता-पिता के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कराया है। साथ ही मामले के जांच अधिकारी की विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। बहालगढ़ थाना में नाबालिग के परिजनों ने दुष्कर्म होने की शिकायत देकर मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें नाबालिग का एक जन्म प्रमाण पत्र भी पुलिस को सौंपा गया था। उसमें पीड़िता का आयु 12 वर्ष बताई गई थी। जिसमें थाने से जांच अधिकारी जन्म प्रमाण की जांच के लिए बिहार गया था। जहां उसने अपनी रिपोर्ट में लिखा कि पीड़िता के जन्म संबंधी कोई अन्य रिकॉर्ड नहीं मिला। उसने पीड़िता के माता-पिता की तरफ से दिया गया जन्म प्रमाण पत्र अदालत में दे दिया। इस बीच अदालत के पास एक कूरियर आया। जिसमें बिहार के जिला के विकास अधिकारी ने लिखा कि उनके जिले में न तो इस नाम की कोई तहसील है और न ही कोई गांव है। जन्म प्रमाण पत्र फर्जी बनाया गया है। कूरियर प्राप्त होने के बाद अदालत ने सख्ती करते करते हुए कोर्ट की तरफ से नाबालिग के माता-पिता के खिलाफ धोखाधड़ी व कोर्ट को गुमराह करने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। इसके साथ ही इस मामले में जांच अधिकारी पर भी लापरवाही से काम करने के आरोप लगे हैं। अदालत ने पुलिस विभाग से जांच अधिकारी की विभागीय जांच करने के आदेश दिए हैं।

- नाबालिग ने दी थी दुष्कर्म की शिकायत, पेश किया था बिहार का जन्म प्रमाण पत्र

समिति सदस्यों ने बुहारी गलियां

- गांव को स्वच्छ बनाने के लिए युवाओं से आगे आने की अपील की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

ग्राम सुधार समिति खन्दराई द्वारा रविवार को गांव में सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के तहत समिति के सदस्यों ने गांव के वार्ड 9 की गलियों को बुहारा। अभियान का शुभारंभ गांव के सरपंच के सहायक अमित सहरावत ने किया। समिति के सदस्यों ने गांव के युवाओं से अपील की कि वे गांव को स्वच्छ बनाने के लिए आगे आएं।

समिति के अध्यक्ष जगमहेंद्र सिंह ने कहा कि स्वच्छ राष्ट्र निर्माण का रास्ता गांवों की गलियों से होकर गुजरता है।

ऐसे में अपने आसपड़ोस को स्वच्छ बनाए रखें। वे बोले कि गांवों को स्वच्छ बनाने में गांव की युवा शक्ति अपना विशेष योगदान दे सकती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना भी स्वच्छ राष्ट्र निर्माण का है। अभियान में राममेहर सिंह, प्रताप सिंह, बिजेंद्र सिंह सहरावत, बिट्टू कश्यप, भीम सिंह, जय भगवान, भौजा, मेहर सिंह, साहिल बामनिया, बिजेंद्र कश्यप, अजय, अंकित, कमाल सिंह और ब्रह्मानंद ने अपनी सेवाएं दी।

प्राचीन शिव मंदिर परिसर को बुहारा

गोहाना। जेसीआई-गोहाना स्टार की महिला विंग ने रविवार को आदर्श नगर स्थित प्राचीन शिव मंदिर को बुहारा। महिला विंग की अध्यक्ष राखी कपूर की टीम ने यह सेवा पीएम नरेंद्र मोदी के आह्वान पर की। इस स्वच्छता अभियान का संचालन सोमवार को अयोध्या में होने वाले श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के उपलक्ष्य में किया गया। मंदिर के स्वच्छता अभियान की अध्यक्षता जेसीआई-गोहाना स्टार के अध्यक्ष रवि बत्रा ने की। परियोजना निदेशक कविता कटारिया और मीनाक्षी चावला थीं। सफाई करने की सेवा अनिता देवगन, नीरू वसूजा, लीना ठकराल, वैशाली बत्रा, सोनू मनचंदा, उषा सैनी, नीरू शर्मा के साथ वार्ड नंबर 13 की नगर पार्षद भगवती सुनील राजपाल और वार्ड नंबर 10 की नगर पार्षद सुमन सैनी ने की।

जारी रहा आमरण अनशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

दलित एक्ट और आरक्षण की मौजूदा व्यवस्था के खिलाफ रविवार को 112 वें दिन भी लघु सचिवालय में आमरण अनशन पर डटे राष्ट्रीय जातिगत आरक्षण विरोधी पार्टी के महासचिव रविन्द्र जठेड़ी के समर्थन में क्रमिक अनशन के 12 वें दिन सत्याग्रही योगेश सिंगला अनशन पर बैठे। बारहवें दिन क्रमिक अनशन पर बैठे योगेश सिंगला ने इस आंदोलन में क्षेत्र की जनता से भी आंदोलन में बढ़-चढ़कर भागीदारी करने का आह्वान किया है। आरजेएवीपी प्रदेश अध्यक्ष एवं नियमित सत्याग्रही राकेश धारीवाल ने कहा कि केंद्र सरकार की अनदेखी के कारण लम्बे समय से आमरण अनशन पर चल रहे पार्टी महासचिव रविन्द्र जठेड़ी का स्वास्थ्य काफी गिर चुका है।

आज बंद रहेंगी शराब की दुकानें

सोनीपत। अयोध्या में 22 जनवरी को भगवान श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के चलते जिला में 22 जनवरी को शराब की सभी दुकानें बंद रहेंगी। सरकार के निदेर्शानुसार जिलाधीश डॉ मनोज कुमार ने आदेश जारी कर दिए हैं। जिलाधीश डॉ. मनोज कुमार ने अपने आदेशों में सरकार द्वारा दिए गए निदेर्शों का हवाला देते हुए कहा कि 22 जनवरी को भगवान श्री राम की जन्मभूमि अयोध्या में श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम है। पूरे देशभर में उत्सव का माहौल है। जिला में अमन और शांति कायम रखने को लेकर आबकारी एवं कराधान विभाग, हरियाणा प्रदेश भर में 22 जनवरी को प्रत्येक जिला में शराब की सभी सरकारी दुकानें बंद करने के निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने पंजाब एक्साइज अधिनियम, 1914 की धारा 54 के तहत आदेश दिए हैं कि जिला सोनीपत में भी 22 जनवरी को शराब की सभी दुकानें बंद रहेंगी।

आर्य विद्या सभा का चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न

अजय गर्ग सर्वसम्मति से चुने गए प्रधान

- पदाधिकारियों ने पूरी जिम्मेवारी से कर्तव्य निभाने की शपथ ली

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सोनीपत

वर्ष 1945 से स्थापित शिक्षण संस्था आर्य विद्या सभा का चुनाव रविवार को सर्वसम्मति से संपन्न हुआ। चुनाव अधिकारी महताब खत्री की देखरेख में संपन्न हुई। जिसमें सभी पदाधिकारी व गवर्निग बॉडी के सदस्य सर्वसम्मती से चुने गए। रविवार को एडवोकेट अजय गर्ग को प्रधान, एडवोकेट जोगेंद्र सिंह राणा को उप प्रधान, सचिव सुरेश कुमार, सहसचिव मनोज कुमार गर्ग, कोषाध्यक्ष देवेंद्र कुच्छल को चुना गया व गवर्निंग बॉडी के सदस्यों के रूप में ईश्वर दयाल शर्मा, वीरेंद्र कटारिया, संजय कुमार सिंगला, गौरव लूथरा, राकेश देवगन, विकास कुमार को चुना गया।

सोनीपत। नवनियुक्त पदाधिकारियों के साथ सभा के सदस्यगण।

सभी मौजूद सदस्यों ने नई टीम को बधाई दी। दोबारा चुने गए प्रधान एडवोकेट अजय गर्ग ने पूरी टीम के साथ अपने कर्तव्यों को पूरी जिम्मेवारी से निभाने की शपथ ली। इस मौके पर एडवोकेट अरविंद मित्तल, संजय वर्मा, प्रवीण वर्मा, टीकाराम मित्तल, सुमित माथुर, अशोक गर्ग आदि मौजूद रहे।

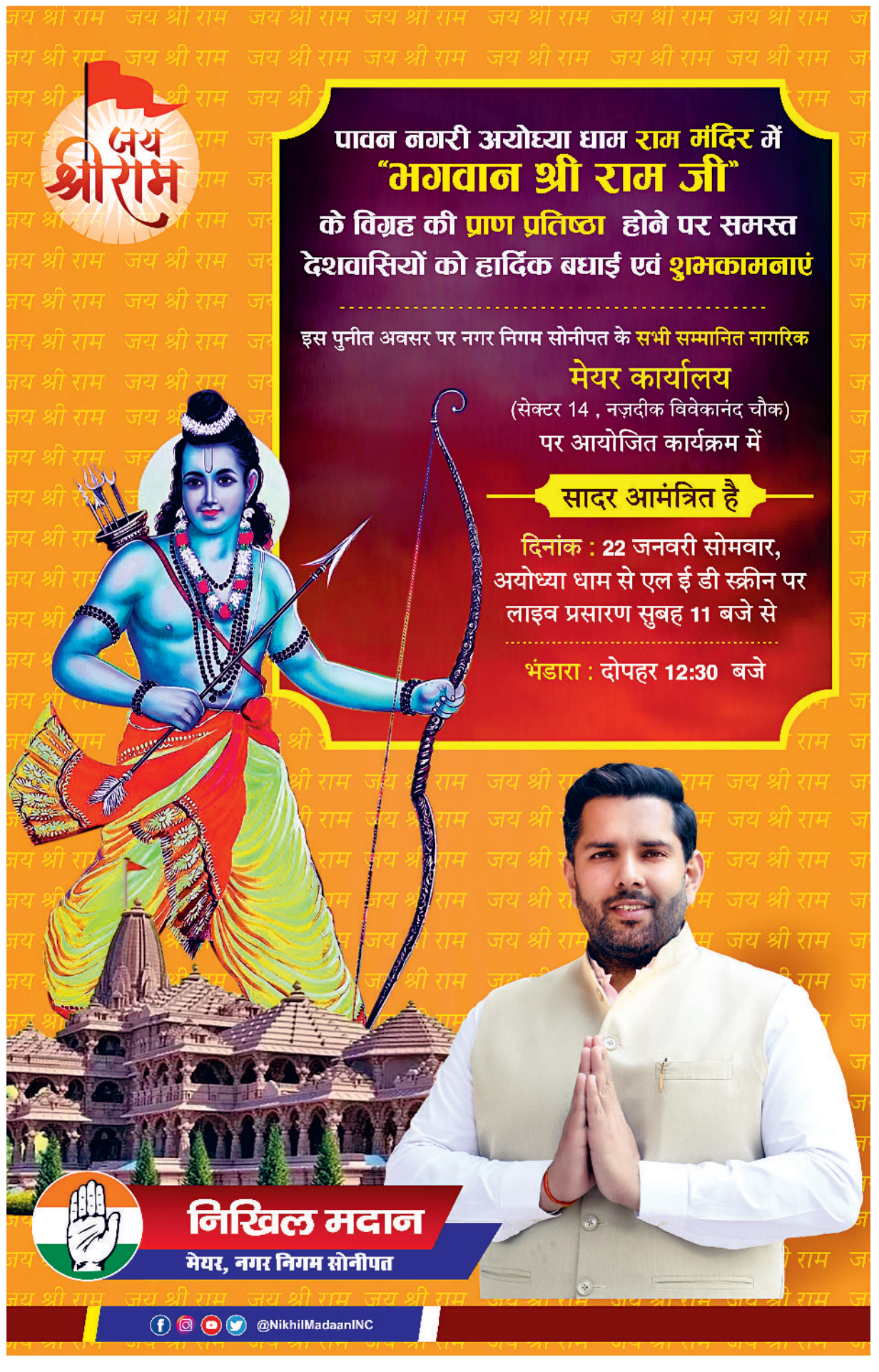

चुनाव नजदीक आते ही चौबीसी चबूतरे पर

चौबीसी का चबूतरा यहां के लोगों की आस्था का मुख्य केंद्र है। जब भी चुनाव नजदीक आते हैं, तो यहां पर गहमा गहमी और बढ़ जाती है। विभिन्न राजनैतिक दलों व सामाजिक संस्थाओं के लोग व पंचायती आदमी यहां पर अपने अपने विचार प्रकट करते हैं। चौबीसी के नेता तो चबूतरे को चुनावी वैतरणी मानते हैं। जो भी उम्मीदवार अपनी पार्टी से टिकट लेकर सबसे पहले वह चौबीसी चबूतरे पर पहुंचता है और दीप प्रज्ज्वलित कर शहीदों को याद कर चबूतरे पर मत्था टेकता है।

खापों ने कलानौर नवाब की कौला पूजने की रस्म को खत्म करवाया

बताते हैं कि नवाब कलानौर 12 गांवों का जागीरदार था। वह रंगीन मिजाज इंसान था। उसने अपनी अय्याशी एक तरीका निकाल रखा था। जिसको कौला पूजने की रस्म कहा जाता था। नवविवाहित महिला को कौला पूजने की रस्म के बहाने कलानौर नवाब के महल में ले जाया जाता था। महिला पहली रात नवाब के महल में बताती थी। कौला पूजने की रस्म कलानौर नवाब के अधीन लगने वाले 12 गांवों के अलावा उन पर भी लागू होती थी, जो बारात उसकी जागीर में से गुजरती थी।

इतिहास | राज कुमार नरवाल

खाप पंचायतें न्याय का प्रतीक हैं। छोटे-बड़े विवादों को सुलझाने का काम करती हैं। सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ अभियान चलाकर उनको खत्म करवाती हैं। भाईचारा व आपसी मेल जोल बढ़ाने में इनका विशेष योगदान रहा है। यही नहीं भारत देश को अंग्रेजी शासन से आजाद करवाने में भी खाप पंचायतों की विशेष भूमिका रही है। ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जब खापों ने मिलकर अंग्रेजों के खिलाफ न केवल आवाज बुलंद की, बल्कि उनके खिलाफ हथियार उठाए। खाप पंचायतों ने हमेशा ही अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी है।

अंग्रेजी शासनकाल की ही एक ऐसी घटना है जब खापों ने मिलकर कलानौर के नवाब के खिलाफ युद्ध करना पड़ा था। खापों ने कलानौर पर चढ़ाई की थी और नवाब द्वारा शुरू की गई कौला पूजने की परंपरा को समाप्त करवाया था। बताते हैं कि नवाब कलानौर 12 गांवों का जागीरदार था। वह रंगीन मिजाज इंसान था। उसने अपनी अय्याशी एक तरीका निकाल रखा था। जिसको कौला पूजने की रस्म कहा जाता था। नवविवाहित महिला को कौला पूजने की रस्म के बहाने कलानौर नवाब के महल में ले जाया जाता था। महिला पहली रात नवाब के महल में बताती थी। कौला पूजने की रस्म कलानौर नवाब के अधीन लगने वाले 12 गांवों के अलावा उन पर भी लागू होती थी, जो बारात उसकी जागीर में से गुजरती थी। बुजुर्ग बताते हैं कि इस रस्म के बहाने नवाब नवविवाहित महिलाओं की अस्मत लूटता था। लोगों में कौला पूजने की रस्म के खिलाफ काफी गुस्सा था, पर लोग मजबूर थे, क्योंकि वह अंग्रेजों का पिट्ठू था। उनका संरक्षण प्राप्त होने और उसके पास मौजूद सैनिक शक्ति के कारण वे चुप थे और इस अपमान को सहन कर रहे थे, लेकिन लोगों के मन में विद्रोह की आग सुलग रही थी। इस आग को भड़काने का मौका उस समय मिला जब गठवाला गोत्र के गांव आहुलाना की लड़की जो डीघल ब्याही हुई थी। वह अपनी ससुराल जा रही थी। लड़की ने देखा कि काहनौर मोड़ से उसकी बहल को कलानौर की ओर मोड़ दिया गया है। वह बहल (बैलगाड़ी) से उतरकर और ससुराल वालों को धोखा देकर वापस अपने मायके आ गई। उसके पिता को यह सूचना मिली कि उसकी बेटी ससुराल से भाग आई है। वह आग बबुला हो गया और उसको मारने के लिए दौड़ा। लेकिन बेटी ने जब वापस आने का कारण बताया तो उसे समझ आया कि बेटी सही है। नवविवाहित बेटी ने बताया कि कलानौर के नवाब के पास इज्जत लुटवाने से अच्छा तो वह अपनी जान देना उचित समझती है। उसके बाद लोगों की सोई हुई चेतना जाग गई। गठवाला खाप की पंचायत बुलाई गई। जिसमें बरौदा बुटाना व आस पास के गांव भी शामिल हुए। हुड्डा और दहिया खाप के लोगों ने भी इस महापंचायत में हिस्सा लिया। पंचायत में यह निर्णय गया कि कलानौर के नवाब की इस लानत को समाप्त किया जाएगा।

तपस्या

सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ अभियान चलाकर उनको खत्म करवाती हैं

रिसर्च

लोगों में इस रस्म के खिलाफ गुस्सा था, पर लोग मजबूर थे, क्योंकि वह अंग्रेजों का पिट्ठू था

पूरा नहीं हो सका सपना

अंग्रेजी सरकार ने इस बात को समझ लिया था कि चौबीसी के जवान गुरिला युद्ध में काफी माहिर हैं। वह उन्हें सरहदी पठानों का मुकाबला करने के लिए सेना में भर्ती करना चाहती थी। उस समय घुड़सवार को 25 रुपये मिलते थे, जबकि महम चौबीसी क्षेत्र के जवानों को वे 30 रुपये तक देने को तैयार थे। चौबीसी खाप क्षेत्र के लोगों में अंग्रेजों के प्रति नफरत थी। उन्होंने सेना में भर्ती होना स्वीकार नहीं किया। अंग्रेजों का चौबीसी की अलग बटालियन बनाने का सपना भी पूरा नहीं हो सका।

महम चौबीसी खाप का भी सहयोग

चर्चा हुई कि इस अभियान में महम चौबीसी खाप का भी सहयोग नितांत आवश्यक है। चौबीसी कलानौर के साथ लगता क्षेत्र है। उसके महम में चौबीसी चबूतरे पर खापें एकजुट हुई। उसके बाद कलानौर को तोड़ने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। सभी मिलकर कलानौर की ओर बढ़े। मोखरा गांव के पास जाकर खापों ने डेरा डाल दिया। शाम के वक्त चढ़ाई होनी थी, लेकिन वहां पर एक महिला ने सुझाव दिया कि शाम के समय चढ़ाई न की जाए, क्योंकि उनकी हार हो जाएगी। चढ़ाई सुबह के समय की जाए। इसलिए एक रात के लिए खापें वहां पर टिक गई और मुराद पुरी होने की कामना की गई। जहां पर खापें टिकी थी, वहां पर बाद में एक नया गांव बसाया गया, जिसका नाम मुरादपुर टेकना है। नवाब की तोपों के सामने दो दिन तक खापों की पेश नहीं चली। लोग परेशान हो गए। तीसरे दिन चौबीसी का चौधरी दलेराम अपनी घोड़ी को पानी पिला रहा था। वहां पास के खेत में एक महिला गेहूं की बालियां उठा रही थी। कहा कि कलानौर किसी बड़े आदमी बली चाहती है। इसके बिना सफलता नहीं मिल सकती। चौधरी को बात समझते देर नहीं लगी। वहीं से वह सीधा कलानौर की ओर बढ़ गया। उसने नवाब के पहरेदारों पर आक्रमण कर दिया। अकेला होने की वजह से वहीं पर ढेर हो गया। खाली घोड़ी डेरे की ओर दौड़ पड़ी। उसे देखते ही सभी का खून खौलने लगा। सभी एक दूसरे से आगे कलानौर की ओर दौड़ने लगे।। तीन घंटे में ही कलानौर को जीत लिया गया। नवाब ने क्षमा याचना की और आगे से कौला पूजने की रस्म को खत्म करने की घोषणा की। यह रस्म फिर से लागू न हो सके। इसको सुनिश्चित करवाने के लिए वीर व्यक्तियों को चुना गया और वे नए बसाए गए गांव गढ़ टेकना में बसाए गए। बाद में गढ़ टेकना को मुरादपुर होने की वजह से मुरादपुर टेकना कहा जाने लगा। लड़ाई में बहुत से लोग मारे गए। मरने वाले ज्यादातर लोग महम चौबीसी इलाके के थे। उसके बाद महम चौबीसी क्षेत्र के लोगों का सम्मान बढ़ा।

महम में हाथी और घोड़े की समाधियों को श्रद्धापूर्वक पूजते हैं लोग

1857 की क्रांति के दौरान फिरंगियों से लोहा लेते समय महम के सैकड़ों लोगों ने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। बुजुर्ग एक वाकया बताते हैं कि अंग्रेजों ने महम के नवाब को फांसी देने की योजना बनाई थी और उसकी जगह पर जैसी जाट को नवाब बनाना चाहते थे। कहा था कि जैसी 500 घुड़सवार अंग्रेजी सेना को दे दे। अगले दिन दरबार लगाया गया। नवाब और जैसी को साथियों सहित दरबार में लाया गया। जैसी के सामने जनरल बालकोट ने प्रस्ताव रखा और सहमति पूछी। नवाब ने कहा कि वे उनकी बात मान लें। बाद में सब ठीक हो जाएगा। जैसी जाट ने जनरल बालकोट से कहा कि उनके खून में गद्दारी और धोखा नहीं है। हमने अंग्रेजों से संघर्ष करने का रास्ता अपनाया है, वे उसकी पर डटे रहेंगे। लेकिन उनकी अधिनता स्वीकार नहीं करेंगे। सब बंदी जय जय जयकार कर उठे। अंग्रेज जनरल ने आदेश दिया कि इनको महम भेजकर रोड रोलर से चलवाकर मौत के घाट उतार दिया जाए। महम में लाकर नवाब व जैसी जाट को फांसी पर लटकाया गया। नवाब के हाथी और जैसी के घोड़े को महम में भिवानी स्टैंड वाली जगह पर गोली मारकर हलाल कर दिया गया। महम चौबीसी के 150 बंदी सैनिकों को आजाद चौक में रोड रोलर चलाकर मौत के घाट उतार दिया गया। उन सब शहीदों को चौबीसी चबूतरे वाली जगह पर जलाया और दफनाया गया। क्योंकि इन शहीदों में हिंदू और मुस्लमान दोनों ही धर्मों के लोग थे। उस दिन से चौबीसी का चबतूरा पवित्र धाम बन गया। बाद में चौबीसी खाप के चौधरी इस चबूतरे पर पंचायतें आयोजित करने लगे। उसके बाद इसे चौबीसी खाप का चबूतरा कहा जाने लगा। महम में जहां पर नवाब के हाथी और घोड़े को दफनाया गया था, बाद में उस जगह को हाथी दड़ा के नाम से जाना जाने लगा। देश की आजादी की लड़ाई में मरने वाले हाथी व घोड़े की समाधि पर लोग मत्था टेकने लगे। बाद में एक हल बनाने वाली महिला मिस्त्री ने इन समाधियों को मजार का रूप दे दिया। अब कस्बा महम के वर्तमान भिवानी स्टैंड पर चौक के बीच एक मजार बनी हुई है। यह हाथी और घोड़े की मजार है। लोग यहां मन्नते मांगने के लिए आते हैं। अब इन समाधियों ने एक मजार का रूप ले लिया है। अब वीरवार के दिन श्रद्धालु इन्हें पीर समझकर पूजते हैं।

गीत | जयदेव राठी भराण

याद आवै, जमाना पुराणा

याद घणा आवै, जमाना वौ पुराणा।
पील, शहतूत, बेरी की झाड़ी पर तै बेरां का खाणा।
खोसडा पींट, खुल्लिया, गुल्ली डंडा का खेलणा,
याद घणा आवै, जमाना वौ पुराणा।
आंख मचोली, डला लहकोई का खेलणा
याद घणा आवै, जमाना वौ पुराणा।
चोरी तै कढावणी मै तारै मलाई का खाणा,
अर फेर पाछै पाछै मां दादी का भाजणा,
याद घणा आवै, जमाना वौ पुराणा।
तड़कैं तड़कैं जोहड़ मै नहाप
ठा झौला स्कूल मै जाणा,
याद घणा आवै, जमाना वौ पुराणा।
रात रात भर दिवाली आलै दैन चलैम मै
मोमबत्ती और हिडो का जलाणा,
खिल पतासे और मिठे खिलोनों का खाणा,
याद घणा आवै, जमाना वौ पुराणा।
रात रात भर जाग कै खेतां मै तै
होली की झाड़ी का लाणा,
कल्की मारै मारै कै होली का डांडा का पाडणा,
याद घणा आवै, जमाना वौ पुराणा।
शलूमण आलै दैन पानी और कीचड़ मै
एक दूसरे का लथपथ होणा,
याद घणा आवै, जमाना वौ पुराणा।

कविता | सुनीता सिक्का बहल

राम आए हैं

राम लला आ बैठे अपने धाम,
लम्बे संघर्ष का हुआ विराम,
धुन बज रही राम ,राम ,राम।

आनंदित हुई ,अयोध्या आज ,
आ गया फिर राम राज,
नए युग का हुआ आगाज।

हर भारतवासी के मन में उल्लास,
पूरी हुई बरसों की आस ,
भगवान राम का बरसा आशीर्वाद।

कलयुग में भी राम की महिमा अपार,
सनातन का सबल हो रहा आधार,
राम मय हो रहे आचार व व्यवहार।

ग़ज़ल | ज्योति राज

कहाँ रहते हो नजर नहीं आते
जहां हम हों उधर नहीं आते

लोग कहते हैं वो किसी के हैं
हाय क्यूँ वो मुकर नहीं जाते

उम्र ढल जाती है बात बातों में
हमको जीने के हुनर नहीं आते

उसी गलती को दोहराते हैं
क्यूँ हम भी सुधर नहीं जाते

लम्हा लम्हा रस्ते पे नजर रहती
वो जब तक गुजर नहीं जाते

सच पर बेशक पाअबन्दी हो 'राज'
झूठ पर हमको शुकर नहीं आते

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

परंपरा | आधुनिकता और पर्यावरण संरक्षण के मद्देनजर अब कम हुआ कोयले का चलन

अब नहीं दिखती कच्चा कोयला बनाने की भट्टियां

शुरूआत

ऐसी ईंटों की भट्टियों की शुरुआत 18वीं शताब्दी में हुई थीं

नाम

'अमेरिकी भट्ठा' के नाम से संबोधित किया जाता है।

आग

इन्हेंआग लगाने के लिए अनुभवी व्यक्ति की जरूरत

बदलाव | पवन चौहान

समय कितना बदल गया है और आज हम इलैक्ट्रोनिक युग में हैं। नई प्रकार की तकनीकों से हम रोजाना रुबरु हो रहे हैं। बटन दबाते ही काम पूरा हो जाता है। लेकिन इस युग में भी हमें यदि बर्षों पुरानी कोई विधि बिना किसी बाधा के काम करते हुए नजर आए तो वह अवश्य ही हमें हैरत में डालने के लिए काफी है। इसी कड़ी में हम बात कर रहे हैं कोयला बनाने की भट्ठी की। जो इस मशीनी युग को बराबर टक्कर देती है। कोयला बनाने की इस भट्ठी से हमें लकड़ी का कोयला प्राप्त होता है। इसे काठकोयला या चारकोल भी कहा जाता है।

यदि कभी आपको जमीन पर गुंबदनुमा (लगभग 7-8 फुट ऊंचा) या फिर किसी कूप-सी कोई

संरचना नजर आए और जिसके ऊपर बने छोटे-छोटे छेदों से धुआं निकल रहा हो तो समझ जाइएगा कि हम कोयला बनाने वाली भट्ठी के पास हैं। कूप की तरह दिखने के कारण इसे 'कूप' कहकर भी संबोधित किया जाता है। भट्ठी को ईंटों की एक खास तरीके से गोल-गोल चिनाई करते हुए और बीच-बीच में हल्के-हल्के छेदों को छोड़ते हुए तैयार किया जाता है। इसे बनाने में तीन से चार दिन तक का समय लग जाता है। इसके एक तरफ भूमि के साथ अर्ध दीर्घ वृताकार आकार या आयताकार आकार का एक ऐसा रास्ता होता है जिसमें आदमी बैठकर आसानी से अंदर जा सके। भट्ठी के धरातलीय व्यास की बात करें तो यह लगभग 6 से 7 फुट या ज्यादा भी हो सकता है। ईंटों की चिनाई के बाद इसे मिट्टी से अंदर और बाहर दोनों ओर से (छोटे छेदों को छोड़ते हुए) लीप दिया जाता है। गुंबदनुमा इस आकृति के बिलकुल शीर्ष पर एक हल्का बड़ा छेद होता है जो आग सुलगाने के लिए रखा गया होता है। ऐसी भट्ठियां हमें उन स्थानों पर ज्यादा मात्रा में दिखाई दे जाती हैं जहां लकड़ी आसानी से मिल जाती हो।

4000 रुपये मजदूरी

भट्ठी को तैयार करने के लिए कारीगर लगभग 3500 से 4000 रुपये तक अपनी मजदूरी लेते हैं। एक भट्ठी बनाने के लिए कारीगर लगभग 3500 रु0 मजदूरी लेता है। लेकिन कोयला बनाने की कीमत उन्हे बोरी के हिसाब से मिलती है। लगभग 75 कि0ग्रा0 की क्षमता वाली बोरी में जितना कोयला आ जाए उन्हे उसके लिए 40 रु0 (लकड़ी की चिनाई, आग लगाने, भट्ठी की लिपाई से लेकर कोयला बनने तक) के हिसाब से ठेकेदार द्वारा मेहनताना दिया जाता है। यह मेहनताना बोरी के साइज के हिसाब से घट-बढ़ सकता है। 75 किलो की क्षमता वाली बोरी में 22 से 25 किलो तक कोयला आ जाता है।

हास्य के जरिये हरियाणवी संस्कृति से जुड़े रहने का संदेश

◆ लेखक एवं हास्य कवि के रुप में भी बनी राजकुमार धनखड़ की पहचान ◆ छात्र जीवन में ही लेखन और अभिनय की शुरुआत ◆ परिवार का मिला सहयोग

कलाकार | ओ.पी. पाल

लोककला और संस्कृति की पहचान अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जीवंत रखने के मकसद से हरियाणवी लेखक, लोक कलाकार विभिन्न विधाओं में अपनी संस्कृति और परंपराओं के संवर्धन करने में जुटे हैं। ऐसे ही हरियाणवी फिल्मों व नाटकों में अभिनय, स्टेज संचालन और प्रसिद्ध हास्य कलाकार राजकुमार धनखड़ ने हरियाणवी संस्कृति को संजोने के लिए एक हास्य अभिनेता के रूप में लोकप्रियता हासिल की है। कविता लेखन के अलावा उन्होंने सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं को हास्य शैली में अपनी कला के माध्यम से प्रस्तुत करके समाज को सकारात्मक रूप से अपनी संस्कृति से जुड़े रहने का संदेश दिया है। हरियाणवी फिल्मों में हास्य अभिनेता के किरदार और कविता लेखन के सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में राजकुमार धनखड़ ने कई ऐसे अनुछुए पहलुओं का जिक्र किया है, जिसमें उनकी कला की अलग अलग विधाओं में हरियाणवी संस्कृति का समावेश सर्वोपरि रहा है।

हरियाणवी हास्य अभिनेता राजकुमार धनखड़ का जन्म 01 जनवरी 1978 को झज्जर जिले के गांव कासनी में आजाद सिंह और श्रीमती शीलवती देवी के घर में हुआ। उनके साधारण परिवार में किसी प्रकार के लेखन, साहत्य या संस्कृति का कोई माहौल नहीं रहा। वहीं राजकुमार की प्राथमिक शिक्षा भी गांव के सरकारी स्कूल में हुई तथा वे दसवीं कक्षा तक गांव में पढ़े हैं। गांव के सरकारी स्कूल में ही बोलने का मौका मिलता रहा।

छठी कक्षा से शुरूआत

बकौल राजकुमार जब वह पांचवी या छठी कक्षा में थे तो उन्होंने एक दो कविताएं लिखी थी और उन्होंने एक हास्य नाटिका में भी हिस्सा लिया, जिसमें उनका अभिनय सभी को भा गया। स्कूल के छात्र जीवन में ही उनके लेखन और अभिनय की एक प्रकार से शुरुआत हो गई। परिवार में सहयोग मिला। दसवी उत्तीर्ण करने के बाद वह उन्होंने नेहरू कॉलेज झज्जर में प्लस टू विज्ञान संकाय के छात्र के रूप दाखिला ले लिया, लेकिन देहात के बच्चे होने के कारण साइंस होने की वजह से वह फेल हो गए। एक्टिंग व संगीत का शौक तो उन्हें था ही और उनके विज्ञान विभाग के पास ही स्कूल में संगीत विभाग भी था, इसलिए खाली समय में वह संगीत विभाग के दरवाजे पर खड़ा होकर बहुत कुछ समझने लगे था। उन्होंने जाट कालेज रोहतक से आर्ट्स में इंटरमिडिएट पास की और नेहरू कॉलेज झज्जर में प्रवेश कर गये, जहां से उन्होंने म्यूजिक के साथ बीए पास किया। फिर महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक में म्यूजिक विषय से एमए पास की, इसलिए उनका गायन का भी क्षेत्र बढ़ गया।

छात्र जीवन में ही राजकुमार की लेखन, अभिनय और हास्य गायन में रुचि हो गई। वह गीत व कविताएं लिखने के साथ विभिन्न कंपीटीशन में हिस्सेदारी करके इस क्षेत्र में आगे बढ़ते गये। उनकी गोधू का ब्याह, गोधू की ससुराल और गोधू की फैमिली जैसी सभी कविताएं या गीत हंसी मजाक से भरी होती थी। उनके अभिनय का फोकस हास्य के साथ चरित्र सामाजिक सरोकार, हरियाणवी लोक कला, संस्कृति के संवर्धन पर रहा है।

इन फिल्मों में अभिनय से जीता दिल

फिल्म और थियेटर के क्षेत्र में हास्य अभिनेता के रूप में करीब 25 साल का अनुभव रखने वाले हरियाणवी अभिनेता राजकुमार को हिंदी, हरियाणवी, अंग्रेजी और पंजाबी भाषा का ज्ञान है। इस दौरान उन्होंने फिल्म शहीद-ए-हरियाणा, तेरा मेरा वादा, सेल्यूट, हंसा, कर्म जैसी फिल्मों में अभिनय करके लोकप्रियता हासिल की। उन्होंने उन्होंने वेब सीरीज कैंप बनवास, मेरे यार की शादी 1 और 2, देसी थाना, हरियाणा में लंदन, दिल हो गया लापता, कॉलेज कांड, बवाल, विदेशी बहू और गुलाब चूरमा जैसे में भी हास्य अभिनय से दर्शकों पर राज किया है। दो वेब सीरीज में उनके साथ फिल्म निर्देशक यशपाल शर्मा भी शामिल रहे हैं। राष्ट्रीय यूथ फेस्टिवल में एक कवि के तौर पर हास्य कविताओं को सुनाने का मौका मिलने से उनका संपर्क अंतरराष्ट्रीय स्तर के कवि सुरेंद्र शर्मा, प्रताप फौजदार, शैलेश लोढ़ा जैसे कवियों से हुआ, जिनसे सराहना भी मिली। हरियाणवी फिल्मों के निर्देशक अरविंद स्वामी, संगीतकार भाल सिंह बल्हारा जैसे कलाकारों संगीतकारों से मुलाकात भी उप्रोत्साहन का सबब बना।

सम्मान व पुरस्कार

राजकुमार धनखड़ को तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा और राज्यपाल जगन्नाथ पहाड़िया ने साल 2012 में फौजी जाट मेहर सिंह अवार्ड से सम्मानित किया। इसके अलावा उन्हें वर्ष 1997 में राज्य स्तरीय चुटकुला प्रतियोगिता में चुटकुला सम्राट सम्मान, वर्ष 1998 में जिला रोहतक रेड क्रॉस की तरफ से प्रशस्ति पत्र, वर्ष 2001 में अंतर विश्वविद्यालय युवा महोत्सव राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय पुरस्कार तथा वर्ष 2015 में ओस्का समिति दिल्ली द्वारा युवा कवि सम्मान से नवाजा गया है। वहीं विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यक मंचों से उन्हें बहुत से पुरस्कार मिल चुके हैं।

यहां से मिली मंजिल

हरियाणवी हास्य अभिनेता और गीतकार राजकुमार धनखड़ ने बताया कि कॉलेज पास आउट होते ही उन्हें पहली बार हरियाणवी स्किट में भाग लेने का मौका मिला, यह स्किट कॉलेज पास आउट होते ही निर्देशक के रुप में राजेश फौगाट करवाते थे। इसलिए इस क्षेत्र में उनके गुरु फौगाट ही रहे, लेकिन अब वह इस दुनिया में नहीं हैं। मदवि में शिक्षा के दौरान वहां जनार्दन शर्मा, जगबीर राठी, आनंद शर्मा जैसे लोगो के संपर्क में आए तो इसका परिणाम यह रहा कि वह इंटर यूनिवर्सिटी तक गए और राष्ट्रीय स्तर तक हमारी हरियाणवी स्किट द्वितीय स्थान पर रहे।

खबर संक्षेप

प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में कलश यात्रा निकाली

राई। पेक्स ग्रीन सोसाइटी में रामलल्ला प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में कलश यात्रा में सोसाइटी की महिलाओं ने कलश यात्रा व पुरूषों ने भव्य ांकी में भाग लिया। यात्रा के दौरान भाजपा नेता नरेन्द्र धीमान ने जय श्रीराम के नारों से वातावरण को भक्तिमय बनाया। शोभा व कलश यात्रा सोसाइटी के मंदिर से शुरू होकर सोसाइटी के चारों तरफ से होती हुई वापिस मंदिर में आकर समाप्त हुई। भाजपा नेता नरेन्द्र धीमान ने बताया कि 22 जनवरी को अपेक्स ग्रीन सोसाइटी में सुंदरकांड का पाठ किया।

शहीद भगत सिंह ब्रिगेड टीम लीडर की शपथ ली

गोहाना। रविवार को गांव गंगाना की पौडिया चौपाल में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पूर्व उनकी प्रतिमा पर ज्योति जलाकर श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनिल गंगाना ने की। मुख्यअतिथि शहीद भगत सिंह ब्रिगेड तहसील गोहाना के अध्यक्ष राजेश लठवाल रहे। लठवाल के साथ वार्ड नं. 17 से युवा अध्यक्ष समीर, वार्ड नं. 20 से युवा अध्यक्ष भूपेंद्र और उपाध्यक्ष जतिन पहुंचे।

राम परिवार की वेशभूषा में ग्रामीण करेंगे प्रदर्शन

सोनीपत। 100-100 गज के प्लॉटों पर कब्जे की मांग को लेकर जुआं के बीपीएल परिवार लगभग तीन माह से लघु सचिवालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार को धरना स्थल पर जिला पार्षद संजय बड़वासनिया ने बताया कि सोमवार को प्रदर्शनकारी राम परिवार की वेशभूषा में सज कर आएंगें और उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन अधिकारियों को ज्ञापन देंगे। जिला पार्षद ने कहा कि गरीब परिवार कई दिनों से अपना अधिकार मांग रहे हैं, लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों की लेटलतीफी की वजह से गरीबों को न्याय नहीं मिल पा रहा।

अयोध्या में श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा को लेकर जिलेभर में उत्साह, गांव से लेकर शहर तक हुए राममय

बजाओ ढोल स्वागत में....मेरे घर राम आए हैं...

गांव धनाना में 511 महिलाओं ने निकाली भव्य कलश यात्रा: जय श्री राम के नारों से गूंजी गांव की गलियां, कलश यात्रा पर ग्रामीणों ने जगह-जगह बरसाए फूल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समरोह की तैयारियों के संदर्भ में रविवार को गांव धनाना में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। यात्रा में 511 महिलाओं ने भाग लिया। यात्रा में शामिल महिलाओं व अन्य श्रद्धालु बजाओ ढ़ोल स्वागत में....मेरे घर राम आए हैं सहित भगवान राम के अन्य भजनों पर जमकर नाचे। श्रद्धालुओं द्वारा लगाए गए भगवान नारों से गांव की गलियां गूंज उठी।

- कलश यात्रा गांव स्थित प्राचीन सिद्ध पीठ शिव मंदिर से शुरू हुई और यहीं पर समापन हुआ

कार्यक्रम के अंतर्गत कलश यात्रा के साथ भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, हनुमान और प्रथम पुज्य गणेश की मनमोहक झाकियां भी निकाली गई। गांव की बाल रामलीलाल मंडली में दीपांशु, विकास, अमन, रितिक और इंतजार ने क्रमशः भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, हनुमान और गणेश की भूमिका निभाई। कलश यात्रा गांव स्थित प्राचीन सिद्ध पीठ शिव मंदिर से शुरू हुई और यहीं पर समापन हुआ। कलश यात्रा के बाद गांव स्थित प्रमुख धार्मिक स्थलों के संतों को सम्मानित किया गया। कलश यात्रा में श्रद्धालु केसरी के लाल मेरा छोटा सा ये काम.....मेरी राम जी से कह देना जय सिया राम और चल अयोध्या की कर तैयारी.....सहित अन्य भजनों के सुरों पर खूब झूमे। इस अवसर पर मंदिर के पुजारी राजेश शास्त्री, बृजलाल तायल, सरपंच प्रतिनिधि अनिल, पं. रमेश शर्मा और हरिओम सहित गांव के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

गोहाना। भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण, हनुमान और गणेश की भूमिका में बाल कार ग्रामीणों के साथ। *फोटो : हरिभूमि*

गन्नौर। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में राजलू गढ़ी में कलश यात्रा निकालती महिलाएं। *फोटो : हरिभूमि*

शोभा यात्रा के दौरान भाजपा नेता माईराम कौशिक स्वागत करते हुए।

प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में निकाली कलश यात्रा

- कलश यात्रा में मंदिर के पुजारी मौनी नाथ के नेतृत्व में गांव की सभी गलियों से होकर गुजरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में गांव राजलू गढ़ी में भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा गांव के शिव मंदिर से शुरू होकर गांव की मुख्य गलियों से होते हुए वापिस मन्दिर में आकर समाप्त हुई। यात्रा के दौरान मंदिर के बाबा मौनी नाथ व जयभगवान राठी ने भगवान श्रीराम के नारों से वातावरण को श्रीराममय बनाया। पूरा वातावरण जय सियाराम के नारों से गूंज उठा। शोभा यात्रा का नेतृत्व कर रहे श्रीराम मंदिर का प्रारूप, राम परिवार की झांकी आकर्षण का केंद्र थी। शोभा यात्रा में सैंकड़ो महिलाएं प्रभु श्रीराम का कीर्तन करते हुए चल रही थी। मौनी बाबा ने यात्रा के दौरान ग्रामीणों ने सुंदरकांड पाठ व भंडारे में भाग लेने की अपील करते हुए 22 जनवरी को दिन दीपावली की तरह मनाने का आह्वान किया। यात्रा के दौरान पंडित धर्मेन्द्र शर्मा, जयभगवान राठी, त्रिलोकचंद शर्मा, कृष्ण राठी, बलराम राठी, काकू, बल्लु, राकेश, रामपाल शर्मा, राजबाला, बिल्लू शर्मा, मुकेश, पूनम, रितु, मंजू राठी, मनीषा राठी आदि मौजूद थे।

राम लला के विराजमान होने को लेकर उत्साह

राई। भाजपा नेता माई राम कौशिक ने कहा कि अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर में होने जा रही प्राण प्रतिष्ठा का उत्साह देशभर में देखने का मिल रहा है। जगह-जगह पर रामधुन गाते हुए राम भक्त शोभा यात्रा निकाल रहे है। उन्होंने कहा कि 500 साल के लंबे संघर्ष के बाद रामलला भव्य मंदिर में प्रवेश करेंगे। उन्होंने कहा कि यह वाकई ऐतिहासिक क्षण होगा राम मंदिर केवल राम मंदिर नहीं है बल्कि 500 साल की लड़ाई की जीत का परिणाम है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के निर्माण को लेकर न केवल अयोध्या बल्कि देश और दुनिया में हर तरफ खुशी का माहौल है। अयोध्या में श्री राम मंदिर बनने और प्राण प्रतिष्ठा को लेकर लोगों में काफी उत्साह नजर आया।

राई। गांव के सरपंच योगेश जठेड़ी व ग्रामीणों के साथ महिलाएं भव्य कलश यात्रा निकालते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

श्री राम मंदिर की मूर्तियों के साथ निकाली शोभा यात्रा

राई। जठेड़ी में बन रहे राम मंदिर से जठेड़ी व आस पास के गांवों के श्रीराम भक्तों ने अयोध्या में श्रीराम लला के प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में अपने गांव में राम मंदिर की श्रीराम परिवार की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में भव्य कलश यात्रा निकाली। मंदिर समिति के प्रधान राजेन्द्र (रोकी) ने बताया कि गांव का राम मंदिर आस्था का केन्द्र होगा। मंदिर के कौषाध्यक्ष अरुण ने बताया कि करीब 500 माताओं ने कलश लेकर पूरे गाँव का नगर दर्शन करवाया गया। समिति के सदस्य राकेश ने बताया कि मंदिर की समिति की तरफ से पूरे गांव में लड्डू, फल का प्रसाद वितरण किया। समिति के अन्य सदस्य संदीप (छोटू) व प्रिंस बिट्टू ने भव्य कलश यात्रा की व्यवस्था में सहयोग किया। सरपंच योगेश जठेड़ी ने बताया कि आसपास के क्षेत्र में कोई भी भगवान श्री राम का मंदिर नहीं है इसलिए श्री राम भक्तों के लिए यह बड़े ही उत्साह का विषय है।

प्राण प्रतिष्ठा को उत्सव के रूप में मनाया

- भाजपा के जिला उपाध्यक्ष एवं निगम पार्षद पुनीत त्यागी राई ने जय श्रीराम के नारे लगाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राई

अयोध्या में भव्य राम मंदिर में भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है। ऐसे में पूरे देश भर में जगह-जगह कलश यात्रा और शोभा यात्राएं निकालकर प्राण प्रतिष्ठा को उत्सव के रूप में मनाया। भाजपा के जिला उपाध्यक्ष एवं निगम पार्षद पुनीत त्यागी राई व समस्त ग्रामवासियों ने रविवार को जय श्री राम के जयकारों के साथ गांव राई के वार्ड नंबर 8 में कलश यात्रा के दौरान भारी संख्या में मातृशक्ति, बच्चों ने व युवाओं ने भाग लिया। इस दौरान जय श्री राम के नारे लगा कर व ढ़ोल नगाड़ों के साथ भगवान वाल्मीकि की तस्वीर को साथ मे लेकर कलश यात्रा को पूरा किया। जिला उपाध्यक्ष एवं निगम पार्षद पुनीत राई ने उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि अयोध्या में 22 जनवरी को होने जा रहे राम लला प्राण प्रतिष्ठा की खुशी दीप जलाकर मनाए। इस अवसर पर बाबा महेश गिरी ,मनोज त्यागी ,मोंटी वाल्मीकि, सुमित वाल्मीकि, सतीश वाल्मीकि, मोनू पांचाल, नरेश पांचाल, रविकांत ,संजय, प्रदीप शर्मा, राकेश कौशिक ,मनीष, ललित, खेमचंद शर्मा, विशाल कौशिक, रवीन कौशिक, प्रमोद शर्मा , शोरव त्यागी, छोटे लाल,अनिल त्यागी, गुड्, संजीव त्यागी, प्रवेश शर्मा, प्रतीक,अंकित कौशिक आदि रहे।

राई। सांसद रमेश कौशिक, विधायक निर्मल व कप्तान नांदल महिलाओं को शाल वितरित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

युवाओं को कांग्रेस की सोशल मीडिया टीम में मिली अहम जिम्मेदारी

राई । प्रदेश कांग्रेस कमेटी के डेलीगेट जसपाल आंतिल ने कहा कि कांग्रेस ने सोनीपत लोकसभा क्षेत्र में सोशल मीडिया प्रभारी नियुक्त किए हैं। इसमें युवाओं को अहम जिम्मेदारी दी गई है। इससे पार्टी संगठन मजबूत होगा। वे शनिवार को खेवड़ा में कार्यकताअरं को संबोधित कर रहे थे। आंतिल ने कहा कि इनमें सोनीपत लोकसभा के राई विधानसभा से सोनू भारद्वाज, गन्नौर विधानसभा से विकास बजाड़, सोनीपत विधानसभा से कुश मलिक, खरखौदा विधानसभा से विकास दहिया, बरोदा विधानसभा से मोहित श्योराण, गोहाना विधानसभा से जितेन्द्र नैन, जुलाना विधानसभा से अमित, सफीदों विधानसभा से अजीत देशवाल आदि मौजूद रहे।

मां की पुण्यतिथि पर बांटे कम्बल व शाल

- सांसद रमेश कौशिक, विधायक निर्मल ने कप्तान नांदल की पहल की सराहना की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

गांव उदेशीपुर में समाजसेवी कप्तान नांदल ने अपनी माता स्वर्गीय कमला देवी पत्नी स्वर्गीय रघबीर सिंह की चौभी पुण्य तिथि पर गरीब को 82 कम्बल व 100 शाल महिलाओं को वितरित कर पुण्य कमाया। कार्यक्रम में सांसद रमेश कौशिक व विधायक निर्मल चौधरी ने प्रसाद वितरण के बाद वितरण समारोह की शुरूआत की। सांसद रमेश कौशिक ने ठंड के इस मौसम में कप्तान के द्वारा अपनी मां की पुण्यतिथि के अवसर पर निःसहाय लोगों को कंबल व महिलाओं को शाल वितरण किया जा रहा है। निश्चित रूप से यह मानव सेवा है। इसी प्रकार का सेवा भाव सभी समर्थ लोगों में होना चाहिए। मानव सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं होता है। विधायक निर्मल चौधरी ने कहा कि नांदल ने अच्छी पहल है। अपने बड़ों की पुण्यतिथि को समाजसेवा के रूप में जररूतमंदों में कंबल व शाल वितरित किए है। कप्तान नांदल ने कहा कि कई दिनों से पूरे पंचायत क्षेत्र में घूम घूमकर गरीब, बेसहारा व दिव्यांग लोगों की सूची तैयार की गई ताकि असली जरूरतमंद की सेवा हो सके। इस मौके पर पूर्व चेयरमैन रामकुमार धनखड़,ब्लाक समिति चेयरमैन सुमित,रजत नांदल, प्रधान आजाद सिंह नांदल, पूर्व प्रधान रामसिंह, पूर्व सरपंच जिले सिंह रहे।

गन्नौर। सांसद रमेश कौशिक, विधायक निर्मल व कप्तान नांदल महिलाओं को शाल वितरित करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का बेसब्री से इंतजार

राई। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व चेयरमैन कुलदीप नांगल ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में नांगल कलां गांव टीडीआई में विशाल ांकी निकाली। भाजपा नेता कुलदीप नांगल ने भगवान श्रीराम के जयकारों से वातावरण को भक्तिमय बनाया। दर्जनों ट्रैक्टरों के लंबे काफिले के साथ बैंड बाजे से यात्रा आकर्षक का केन्द्र बनी। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में पूर्व चेयरमैन कुलदीप नांगल ने संबोधित करते हुए कहा कि देश विदेश के करोड़ो राम भक्तों की आस्था का केन्द्र राम मंदिर में रामलला के भव्य प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव होगा। ये महोत्सव ऐसा होगा जो कभी किसी ने न देखा होगा। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की बेला की जनता इंतजार कर रही थी कि यह ऐतिहासिक क्षण दोबारा नहीं आने वाला है। ऐसे अवसरों का साक्षी बनने का सौभाग्य भी सौभाग्य से मिलता है। प्राण प्रतिष्ठा को लेकर रामनगरी का स्वरूप उत्सवधर्मी दिखाई दे रहा है। जिसके लिए सांस्कृतिक के साथ-साथ आध्यात्मिक कार्यक्रम भी हो रहे है। इस मौके पर गणमान्य लोग मौजूद रहे।

राई। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व चेयरमैन कुलदीप नांगल रामलला की विशेष ांकी निकलवाते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

अनिल भारद्वाज पूर्व सांसद तंवर के साथ भाजपा में शामिल

गन्नौर। भाजपा के दिल्ली मुख्यालय पर पूर्व सांसद अशोक तंवर के साथ सीएम मनोहरलाल की मौजूदगी में आम आदमी पार्टी (आप) में व्यापार सैल के स्टेट वाइस प्रेसिडेंट अनिल भारद्वाज ने भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। अनिल भारद्वाज सबसे पहले इनेलो पार्टी में काफी सक्रिय रहे। इनेलो से अलग होने पर जजपा पार्टी का गठन हुआ तो उन्हें स्टेट सचिव बनाया गया था। विधानसभा चुनाव में टिकट नहीं मिलने से नाराज होकर भारद्वाज ने जजपा से त्यागपत्र देकर समालखा में भाजपा जॉइन की, थोड़े समय के बाद पूर्व एमपी अशोक तंवर के आप पार्टी में आने पर भारद्वाज भी आप पार्टी में आ गए।

श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से जुड़ी हर देशवासी की आस्था: सोनिया मोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोहाना

भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष सोनिया मोर ने कहा कि अयोध्या में स्थापित भगवान श्रीराम के मंदिर से देश के हर व्यक्ति की आस्था जुड़ी हुई है। अयोध्या में मंदिर का निर्माण हम सब के लिए गर्व का विषय है। वे रविवार को गांव बरोदा में आयोजित कलश यात्रा में शिरकत करने पहुंची थी। यात्रा का संयोजन भी इन्हीं का रहा।

भाजपा नेत्री सोनिया मोर ने कहा कि अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर का मामला करीब डेढ़ सौ सालों से न्यायालय में विचाराधीन था। अब वहां पर मंदिर का निर्माण होने से पूरे विश्व में भारत की ख्याति बढ़ेगी। इस मंदिर से देश के बच्चे, नौजवान और बुजुर्ग हर वर्ग के व्यक्तियों की आस्था जुड़ी हुई है। महिला जिलाध्यक्ष ने गांव बरोदा में महिलाओं के साथ कलश यात्रा निकाली। उन्होंने 22 जनवरी को अयोध्या में भगवान राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर गांव में घर-घर जाकर मिट्टी के दीये भेंट किए। इस अवसर पर गांव के सरपंच वजीर सिंह, जसबीर, सूबेदार मेहर सिंह, सतबीर, दयाचंद, जयसिंह खासा और सुरेंद्र सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

महिलाओं के साथ कलश यात्रा निकालते हुए सोनिया मोर। फोटो : हरिभूमि

राई। राजस्थान में बाबा खाटू श्याम के दर्शनों के लिए निशुल्क बस में रवाना होते पावसरा गांव के श्रद्धालू। *फोटो : हरिभूमि*

बाबा खाटू श्याम के दर्शन के लिए श्रद्धालु रवाना

राई। राई हलके में कांग्रेस नेता एवं समाजसेवी जयभगवान आंतिल हलके के लोगों को निशुल्क अपनी बस में धार्मिक स्थलों के दर्शन करवा रहे है। इसी कड़ी में रविवार को हलके के गांव पावसरा से बच्चों, महिलाओं व लोगों को निशुल्क खाटू श्याम बाबा के राजस्थान में दर्शनों के लिए बस में रवाना किया। कांग्रेस नेता जयसभगवान आंतिल ने कहा कि भक्तजनों को निशुल्क बाबा के दर्शन करवाने के लिए दर्शन करवाने से बड़ा और कोई पुण्य का कार्य नहीं हो सकता। वे अपनी बसों से बाबा खाटू श्याम धाम के दर्शन के लिए कोई भी शुल्क नहीं लिया जाता। उन्होंने बताया कि बाबा श्याम भक्तों की मन्नत मांगने पर हर मुराद पुरी करते है। इस मौके पर रवाना हुए भक्तों ने आंतिल द्वारा किए जा रहे समाजसेवा के विभिन्न कार्यों के साथ निशुल्क बस सेवा की सराहना की।

रक्तदान शिविर में 75 ने किया महादान

सोनीपत। जनहित अभियान फाउंडेशन के द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर छोटू राम धर्मशाला में रक्तदान शिविर और भंडारा लगाया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि समाजसेवी डा. अनीता सिंह व कांग्रेस युवा जिलाध्यक्ष ललित पवार ने शिविर का उद्घाटन किया। फाउंडेशन के अध्यक्ष नरेंद्र हुड्डा ने बताया कि आज के रक्तदान शिविर में 75 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। इस अवसर हिंदी प्रवक्ता दिलबाग सिंह, इनरव्हील क्लब की प्रधान नीतू दहिया, राजेश दहिया, पहलवान हवा सिंह अंतिल, नेहा गोयल, सतीश छिकारा, पूर्ण सिंह, नवीन मास्टर, रत्न ठेकेदार, हरिओम जांगड़ा, सतीश बाल्यान आदि रहे।

राई। राजकुमार शर्मा फाउंडेशन के संस्थापक प्रतीक राजकुमार शर्मा शिविर में चश्में वितरण करवाते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

शिविर में 345 लोगो ने करवाई अपनी आंखों की जांच

राई। गांव कुमासपुर में राजकुमार शर्मा फाउंडेशन के संस्थापक प्रतीक राजकुमार शर्मा (माखनभोग वाले) द्वारा निःशुल्क नेत्र जाँच कैम्प आयोजित किया गया शिविर में गांव के 345 लोगो ने अपनी आँखों की जांच करवाई। शिविर में आने वाले सभी जरूरतमंदों को निशुल्क चश्में वितरित किए गए इसके अलावा 45 लोगों को मोतियाबिंद मिला। जिनका फाउंडेशन द्वारा निशुल्क दिल्ली में आप्रेशन करवाया जाएगा। डॉ श्रॉफ चैरिटेबल हॉस्पिटल व दृष्टि सेवा समिति की टीम से डॉ धीरेंद्र सिंह ने शिविर में आए रोगियों की आंखों की जांच की। फाउंडेशन के संस्थापक प्रतीक राजकुमार शर्मा ने कहा कि संस्था द्वारा राई हलके के अधिकतर गांवों में निशुल्क नेत्र जांच लगवाए जा चुके है।

मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर में 150 लोगों ने कराया चेकअप

मानव सेवा एवं समाज सेवा ही सबसे बड़ा धर्म

- वार्ड 10 से पार्षद प्रतिनिधि टिंकू प्रधान के सहयोग से लगाया गया निःशुल्क स्वास्थ्य कैंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गन्नौर

लल्हेड़ी रोड पर स्थित अंबेडकर भवन के परिसर में रविवार को वार्ड 10 से पार्षद प्रतिनिधि टिंकू प्रधान के सहयोग से मुफ्त स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया। जिसमें पार्क निदान अस्पताल से चिकित्सकों ने बीपी, शुगर, हड्डी जांच, आंखों की जांच, ऑक्सीजन लेवल इत्यादि बीमारियों से ग्रस्त करीब 150 रोगियों की जांच की। जरूरतमंद का फ्री दवाई देने के साथ ही सेहतमंद बने रहने के टिप्स दिए। इससे पहले शिविर का शुभारंभ देवा सोशल वेलफेयर सोसायटी संस्थापक एवं समाजसेवी देवेंद्र कादियान ने रिबन काटकर किया। उनका यहां पहुंचने पर आयोजकों ने फूल माला से स्वागत किया। मुख्यातिथि कादियान ने कहा कि मानव सेवा एवं समाज सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति हमेशा सजग रहना चाहिए। क्योंकि समय पर छोटी बीमारियों का भी इलाज नहीं होने पर बीमारी गंभीर हो जाती है। उन्होंने कहा कि गरीब व जरूरतमंदों को समय पर इलाज मिल सके, इसके लिए उनकी देवा सोसायटी की तरफ से क्षेत्र में 10 मुफ्त एंबुलेंस सेवाएं दी जा रही है। टोल फ्री नंबर पर कॉल करने के महज कुछ देर बाद ही मरीज के घर एंबुलेंस पहुंच जाती है। इस दौरान टिंकू प्रधान ने सीएम शहरी आवास योजना के तहत आवेदन किए थे, जिनकी स्लिप लोगों को वितरित की गई। इस अवसर पर प्रदीप बेदी, अमन, मोहित, ओमप्रकाश, विनय, अंकित आदि ने कैंप सफल बनाने में अपना योगदान दिया।

समाजसेवी देवेंद्र कादियान का स्वागत करते पार्षद प्रतिनिधि टिंकू प्रधान व अन्य।

खबर संक्षेप

भाजपा प्रदेश सचिव का किया स्वागत

सोनीपत। भाजपा प्रदेश सचिव पंडित उमेश शर्मा का रविवार को सोनीपत पहुंचनें पर स्वागत किया गया। स्वागत समारोह मुख्य रूप रूप से मुरथल रोड शिवाय प्रॉपर्टीज, सेक्टर 15 मार्केट पर ब्राह्मण समाज की तरफ से व ओमेक्स सिटी में सर्व समाज की तरफ से स्वागत किया गया।

जरूरतमंद कन्या की शादी करवाई

सोनीपत। सेफ इंडिया फाउंडेशन द्वारा अपने जरूरतमंद कन्या विवाह प्रकल्प के तहत शनिवार शाम अग्रसेन भवन, सेक्टर 14 सोनीपत में एक जरूरतमंद कन्या का विवाह करवाया गया। सेफ इंडिया के चेयरमैन वाईके त्यागी व प्रधान संजय सिंगला ने बताया कि संस्था द्वारा समय-समय पर जरूरतमंद कन्याओं की शादी करवाई जाती है।

वैदिक गणित प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरित

सोनीपत। लिटल एंजल्स स्कूल में वार्षिक एबेक्स व वैदिक गणित प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण का शानदार आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा नेता ललित बत्रा, विशिष्ठ अतिथि डीईओ नवीन गुलिया, श्रीजी इंटरनेशनल स्कूल के चेयरमैन राकेश कुच्छल, राकेश कुमार जैन, विद्यालय की प्रधानाचार्या आशा गोयल, उप-प्रधानाचार्या गीता अरोड़ा, इवेन्ट मैनेजर राकेश वर्मा, दर्पण गर्ग, मोनिका गर्ग व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

रास बिहारी बोस को दी श्रद्धांजलि

गोहाना। रास बिहारी बोस की आजाद हिंद फौज के गठन में अहम भूमिका थी। उन्होंने विदेशों में बसे क्रांतिकारियों में आजादी की अलख जगाई थी। रविवार को यह टिप्पणी आजाद हिंद देशभक्त मोर्चे के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने की। दांगी पुरानी सब्जी मंडी क्षेत्र में स्थित चंद्रशेखर आजाद पार्क में रास बिहारी बोस की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी।

शोभायात्रा में 12 सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाएं भी शामिल रही

शोभायात्रा के साथ राममय गन्नौर जगह-जगह हुई फूलों की बरसात

गन्नौर। शोभायात्रा का शुभारंभ करते सांसद रमेश कौशिक व विधायक निर्मल चौधरी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

अयोध्या में रामलला की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में रविवार को भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यात्रा शिव मंदिर सनातन धर्म सभा के तत्वाधान में आयोजित होने वाली शोभायात्रा में 12 सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाएं भी शामिल रही। शोभा यात्रा शहर के प्राचीन शिव मंदिर से शुरू हुई।

इससे पहले सांसद रमेश कौशिक, विधायक निर्मल चौधरी, सेवानिवृत सेशन जज जेएस जांगड़ा व नपाध्यक्ष अरुण त्यागी ने नारियल तोड़ कर शोभायात्रा का शुभारंभ किया। शोभा यात्रा नगरपालिका रोड, रेलवे रोड, देवीलाल चौक, जनता स्कूल रोड से होते हुए राम मंदिर गन्नौर में आ कर संपन्न हुई। शोभा यात्रा के दौरान श्रीराम के जीवन से संबंधित 17 झांकियां आकर्षण का केंद्र रही।

सोनीपत। कार्यक्रम में पहुंचें मेयर निखिल मदान साथ में अन्य।

प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का साक्षी बनना सौभाग्य की बात : निखिल

सोनीपत। अयोध्या धाम में भगवान श्री राम जी विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में एल्डिको सोसाइटी में अंजनी सुत हनुमान मंदिर के श्रद्धालुओं, राम भक्तों और सभी निवासियों द्वारा रविवार को सोसाइटी प्रांगण में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस अवसर पर एल्डिको सोसाइटी में पहुंचें मेयर निखिल मदान ने दीप प्रज्ज्वलित कर और नारियल तोड़कर शोभा यात्रा को शुरू करवाया और उपस्थित बड़े बुजुर्गों, मातृशक्ति का आशीर्वाद लिया। मेयर निखिल मदान ने अपने संबोधन में सभी क्षेत्रवासियों को राम मंदिर निर्माण की शुभकामनाएं दी। मेयर निखिल मदान ने कहा कि आज समस्त देशवासियों के लिए बेहद गौरव का क्षण है कि लगभग 500 सालों के संघर्ष के बाद आज राम लला अपने उसी स्थान पर विराजमान हुए हैं जहां उनका जन्म हुआ था। मेयर ने कहा कि वह खुद को सौभाग्यशाली समझते हैं कि वो अपने जीवन में साक्षात रूप से राम मंदिर का निर्माण और प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम देख पाए।

मेयर निखिल मदान ने कहा की मर्यादा पुरुषोतम भगवान श्री राम का जीवन हर देशवासी के लिए आदर्श है। इस अवसर पर दिलबाग दहिया, बिजेंद्र कुमार, सतिंदर राठी, जितेंद्र दहिया, राजेश दुहन, प्रो. संदीप, हरीश दहिया, विष्णु दत्त शर्मा, संजीव मलिक, विकेश दहिया, अनीता अंतिल, सुनीता डुडेजा, प्रीति बंसल, सीमा पंवार, ललिता वशिष्ठ, किरण सहित अन्य श्रद्धालु मौजूद रहे।

सोनीपत। इत्र एवं गुलाब जल का छिड़काव करवाते भाजपा नेता तरुण देवीदास।

शहर के मंदिरों में रामभक्तों ने ईत्र एवं गुलाब जल का किया छिड़काव

- भाजपा नेता तरुण देवीदास ने की कार्यक्रम की शुरूआत

सोनीपत। 22 जनवरी को अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से एक दिन पहले सोनीपत के मंदिरों में इत्र एवम गुलाब जल का छिड़काव किया गया। भाजपा नेता तरुण देवीदास ने इसकी शुरूआत आज शहर के चार मरला स्थित श्री महावीर मंदिर से की गई। जहां पर हाई कॉम्प्रेसर मशीन के माध्यम से गुलाब का इत्र छिड़क कर वातावरण को सुगंधित किया गया। पहले मंदिर को पूरी तरह से साफ किया गया उसके पश्चात स्प्रे मशीन द्वारा गुलाब के इत्र का स्प्रे किया गया। जिससे चारों ओर सुगंधित वातावरण हो गया।

भाजपा नेता तरुण देवीदास ने कहा कि राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर राजनीति नहीं होनी चाहिए। भगवान राम तो सभी के हैं, जन जन के हैं। ऐसे ऐतिहासिक कार्यक्रम में सभी राजनैतिक दलों को शिरकत करनी चाहिए। कार्यक्रम के पश्चात शांति नगर स्थित चार मरला पार्क में एक भंडारे का आयोजन भी किया गया। हजारों श्रद्धालुओं ने भंडारा चखा।

खरखौदा। नरमाई नाथ के धूने पर उपस्थित सुरेंद्र बानिया व अन्य।

नरमाई नाथ समाधि स्थल पर विशाल भंडारा आज

- जब से अयोध्या में श्री राम मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हुआ है, तभी से यहां के महंत बाबा जोगनाथ द्वारा हरिद्वार में हवन यज्ञ किया जा रहा

हरिभूमि न्यूज ⏭ खरखौदा

सिसाना गांव में माता रावली व नरमाई नाथ के समाधि स्थल पर दहिया खाप प्रधान सुरेंद्र बानिया ने प्रेस वार्ता की। उन्होंने बताया कि जब से अयोध्या में श्री राम मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हुआ है, तभी से यहां के महंत बाबा जोगनाथ द्वारा हरिद्वार में हवन यज्ञ किया जा रहा था। अब कुछ दिन से बाबा जोगनाथ द्वारा समाधि स्थल परिसर में हवन यज्ञ किया जा रहा है। जिसमें आहुति देने के लिए पुरुषों के साथ महिलाएं भी बड़ी संख्या में पहुंच रही हैं। श्रद्धालुओं के उत्साह को देखते हुए 22 जनवरी को जब अयोध्या में राम लला की प्राण प्रतिष्ठा होगी, उसी दिन सिसाना गांव के सभी मंदिरों को सुसज्जित किया जाएगा। जबकि समाधि स्थल पर विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। जिसमें गांव के अलावा आस-पास के क्षेत्र से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचेंगे और श्री राम का गुणगान करेंगे। वर्णित धार्मिक स्थल की दहिया खाप चालिसा में काफी मान्यता है। उल्लेखनीय है कि यह भूमि न सिर्फ बाबा नरमाई नाथ की तपोभूमि है, बल्कि उनके जमीन में समा जाने का समाधि स्थल है। उनके शिष्य बाबा मस्तनाथ रहे। जिनके नाम से बोहर में मठ है और विश्वविद्यालय चल रहा है। इस मौके पर गौशाला प्रधान रणदीप दहिया, सरपंच सुरेश, सरपंच जगबीर नंबरदार, पूर्व सरपंच कृष्ण, सूबेदार साहब सिंह, सत्यवान उर्फ मिच्चू पहलवान, पप्पू देवगोड़ा, जयपाल, प्रदीप व अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

अयोध्या में श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा समारोह की खुशी में करवाया हवन

सोनीपत। अयोध्या में होने वाले श्री राम प्राण प्रतिष्ठा समारोह की खुशी में रोटरी क्लब ऑफ सोनीपत अरडेंट ने मुरथल रोड स्थित एक निजी रेस्तरां में हवन का आयोजन किया। जिसमें डिस्ट्रिक्ट गवर्नर प्रियतोष गुप्ता मुख्य अतिथि रहे। इन्होंने यज्ञ में आहुति डालकर अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। इस अवसर पर क्लब के प्रधान डॉ. निखिल चुघ और सचिव पुनीत जग्गा ने संयुक्त रूप से बताया कि अयोध्या में होने वाले श्रीराम प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम से पूर्व आज इस हवन में आहुति डाली।

सोनीपत। अयोध्या राममंदिर की रंगोली के साथ विद्यालय स्टाफ एवं अन्य।

विद्यार्थियों ने बनाई रंगोली, प्रतियोगिता आयोजित

सोनीपत। सरस्वती शिक्षा संस्थान सीनियर सेकेंडरी स्कूल सोनीपत (र-7) के प्रांगण में भगवान राम के मन्दिर अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा उत्सव के उपलक्ष में विद्यार्थियों के द्वारा भव्य रंगोली बनाई गयी। रंगोली निर्माण में मुख्य भूमिका प्रीती व अमन खोखर ने चित्रकला अध्यापक के निर्देशानुसार निभाई। इस अवसर पर विद्यालय द्वारा स्कालरशिप टेस्ट एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निदेशक दीपक एवं प्राचार्य नरेंद्र कुमार, मुख्याध्यापिका रीटा तनेजा ने छात्रों को अग्रिम व उत्कृष्ट जीवन की ओर अग्रसर होने के लिए प्रेरित किया।

गुरुकुल बरोणा का वार्षिकोत्सव 10 मार्च को

- हवन यज्ञ करके नरेश आर्य की अध्यक्षता में बैठक की आयोजित की गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ खरखौदा

गुरुकुल बरोणा की कार्यकारिणी सभा की बैठक रविवार को हुई । जिसमें हवन यज्ञ करके नरेश आर्य की अध्यक्षता में बैठक की आयोजित की गई। जिसमें कार्यकारिणी पदाधिकारियों ने विचार रखे। मुख्य रूप से गुरुकुल के वार्षिक उत्सव के आयोजन लेकर चर्चा की गई । परस्पर सहमति से 10 मार्च को गुरुकुल का तृतीय वार्षिकोत्सव मनाने का फैसला लिया गया। इस मौके पर आचार्य प्रदीप ने बताया कि गुरुकुल में पुरानी पद्धति के अनुसार शिष्यों को शिक्षा दीक्षा के अनुसार संस्कार दिए जा रहे हैं। जीवन के मूल्य, सत्य कर्म, संस्कार, चरित्र, योग व अन्य कर्मों की शिक्षा देकर शिष्यों को योग्य बनाने का कार्य किया जा रहा है। बैठक में संदीप, संजीत, राजकुमार, यशपाल आर्य आदि मौजूद थे।

खरखौदा। बैठक में पहुंचे बरोणा गुरूकुल के पदाधिकारी।

स्वास्थ्य जांच शिविर व करियर काउंसलिंग की गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

ऋषिकुल वर्ल्ड एकेडमी में रविवार को स्मार्ट एवं वंडर किड नाम से एक विशेष प्रतियोगी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वंडर किड्स में तीन से सात वर्ष तक के बच्चों ने भाग लिया वहीं स्मार्ट परीक्षा में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय प्रबंधक नीरज शर्मा व निदेशक रीमा शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्या चंचल शर्मा के अतिरिक्त पुष्पलता, भूपेंद्र उपस्थिति रहे। सोनीपत एवं आसपास के क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 1189 छात्र एवं छात्राओं ने इस कार्यक्रम की विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इसके अतिरिक्त एक विशेष परामर्श शिविर कक्षा नौवीं से 12वीं तक के छात्रों के लिए आयोजित किया गया।

कारगर साबित हो रही संकल्प यात्रा

राई। रविवार को नगर पालिका कुंडली के दादा भैया मंदिर के नजदीक राजकीय प्राइमरी स्कूल में विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें वार्ड नंबर एक से पंद्रह वार्ड तक के लोग आमंत्रित किए गए। कड़ाके की ठंड के बीच भी लोगों का खासा उत्साह देखने को मिला। राई विधायक एवं प्रदेश महामंत्री मोहन लाल बडौली कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। नागरिकों को विकसित भारत संकल्प शपथ भी दिलाई। कुंडली नगर पालिका चेयरमैन शिमला देवी सहित वाईस चेयरमैन अशोक भारद्वाज मौजूद रहे। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत फिर से विश्व गुरु बनेगा।

हेरिटेज वॉक के जीर्णोद्धार की मांग की

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

गेटवे कॉलेज ऑफ आर्किटेक्चर एंड डिजाइन की प्रिंसिपल प्रो. राधिका नागपाल, कॉलेज में सहायक प्रोफेसर और संरक्षण वास्तुकार सुकन्या शर्मा ने सोनीपत में हेरिटेज वॉक का संचालन किया। हेरिटेज वॉक की शुरूआत ख्वाजा खिज्र मकबरे से हुई और रामलीला मैदान में प्राचीन मकबरे पर रुकी, जिसमें बीते युगों की कहानियां हैं और उस मकबरे के जीर्णोद्धार पर तत्काल ध्यान देने की मांग की गई है। यह पदयात्रा कोट मोहल्ले में ब्रिटिश ओल्ड तहसील बिल्डिंग और प्रतिष्ठित कोस मीनार पर समाप्त हुई। गेटवे एजुकेशन के महानिदेशक डॉ. कर्नल ए गर्ग एवं अन्य शिक्षकगन, समग्र शिक्षा और सांस्कृतिक प्रशंसा के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

सोनीपत। हेरिटेज वॉक का संचालन करते हुए। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो वह निम्न टेलीफोन नम्बरों पर कार्यालय समय पर सूचित करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 8295154800, 9253681005

राम मंदिर के निर्माण से सनातन धर्म का होगा जागरण

सोनीपत में शौर्य व उत्सव यात्रा निकाली

- पूर्व मंत्री कविता जैन और सीएम के मीडिया सलाहाकार राजीव जैन के नेतृत्व में निकाली गई श्रीराम शौर्य एवं उत्सव यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

प्रदेश की पूर्व मंत्री कविता जैन और सीएम पूर्व मीडिया सलाहाकार राजीव जैन के नेतृत्व में श्री राम शौर्य एवं उत्सव यात्रा निकाली गई। गोहाना रोड स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर से सुबह के समय हनुमान चालीसा का पाठ कर भाजपा नेता राजीव जैन ने भगवान श्रीराम की मूर्ति को सिर पर उठाकर रथ में सवार हुए तो यात्रा शुरू हुई। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और मुख्य बाजार से गुजरते हुए देर शाम यात्रा का समापन नई अनाज मंडी के समीप स्थित खाटू श्याम मंदिर में किया गया।

स्वामी दिव्यानंद ने अपने संबोधन में शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राम मंदिर निर्माण से सनातन धर्म का जबरदस्त जागरण होगा और भावी पीढ़ियों को राम चरित्र अपनाने की प्रेरणा मिलेगी। स्वामी दयानंद सरस्वती ने कहा कि मंदिर निर्माण के लिए लोगों का बलिदान काम आया है इसलिए यह शौर्य मंदिर भी है। पूर्व मंत्री कविता जैन ने कहा कि भगवान श्रीराम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसे युग पुरुष का इंतजार था और उन्ही के हाथों मंदिर का निर्माण करवाना चाहते थे। मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार एवं भाजपा नेता राजीव जैन ने श्रीराम शौर्य एवं उत्सव यात्रा का पुष्प वर्षा करके स्वागत करने वाली संस्थाओं का पटका पहनकर स्वागत किया और पंच मेवा का प्रसाद वितरित किया। शोभा यात्रा का नेतृत्व घोड़े पर बैठे लवकुश की जोड़ी ने किया। इसके अलावा एक ही रंग की पगड़ियां पहने मोटर साइकिल सवार युवकों का जत्था, श्रीराम मंदिर का प्रारूप, राम परिवार, महर्षि बाल्मीकि एवं शबरी की झांकी आकर्षण का केंद्र थी। शोभा यात्रा में सैंकड़ो महिलाएं प्रभु श्रीराम का कीर्तन करते हुए चल रही थी। गोहाना रोड स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर के समक्ष कार्यक्रम शुरू हुआ तो अयोध्या में निर्माणाधीन श्रीराम मंदिर के पारूप के सामने भगवान श्री राम की स्वामी दिव्यानंद भिक्षु, स्वामी दयानंदर सरस्वती ने पूजा अर्चना की और शंखनाद किया।

सोनीपत। शोभयात्रा में मौजूद कविता जैन, राजीव जैन का स्वागत करते हुए। फोटो : हरिभूमि

एक महिला सहित दो प्रभु को भेजा आश्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

समाज कल्याण शिक्षा समिति व सब इंस्पेक्टर जगत सिंह द्वारा बेसहारा, मंदबुद्धि लोगों (प्रभु) को आश्रम भेजने का अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत रविवार तक समिति द्वारा दो प्रभु को अपना घर आश्रम भेजा गया। इसमें एक पुरुष तो एक महिला शामिल रही। समिति के प्रधान आनंद कुमार ने बताया कि समिति द्वारा अब तक कुल 164 प्रभु को आश्रम भिजवाया जा चुका है। जिसमें अधिकतर का इलाज होने के बाद उन्हें घर भेजा जा चुका है, बाकियों का इलाज चल रहा है। रविवार को समिति के प्रधान आनंद कुमार ने बताया कि जतिन आहुजा को दिल्ली रोड पर एक प्रभु दिखाई दिया था। जतिन ने प्रभु की वीडियो और फेटो बनाकर उनके पास भेजी थी। इसके बाद ये वीडियो पूठ खुर्द भेजी गई, जहां से एम्बुलेंस बुलाई गई। यहां से प्रभु का चिकित्सीय परीक्षण करवाकर एम्बुलेंस के जरिये दिल्ली स्थित अपना घर आश्रम भेज दिया गया। एक महिला प्रभु को शहर में घूमते हुए देखा गया, जिसको वन स्टाफ सेंटर में भर्ती करवाया गया। जिसकी सूचना सिविल लाईन थाना में करवाई गई। सिविल लाईन से एएसआई नीलम ने फोन पर आनंद कुमार को सूचना दी। इसके बाद महिला का वीडियो और फोटो मंगवाकर अपना घर भेजा।

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028